

## Týždeň po Syropôstnej nedeli (= prvý pôstny týždeň)

---

### **Stichiry na večierňach a utierňach** (*zatiaľ iba 3. a 4. hlas ZR*)

- *Nápev podľa ruských kriukových prameňov z 15.-17. storočia*
- *Preklad do kyjevskej notácie v duchu ruténskej tradície*
- *Aplikácia na súčasný csl. text*

Vybrané stichiry triodionu na 3. a 4. hlas.

Po stichire triodionu vždy nasleduje *martyrikon* (*mučeničen*) a *theotokion* (*bohorodičen*). Ich nápev neuvádzame tu, ale v osobitnom dokumente, keďže ide o stichiry z všednodenného oktoichu.

### ***Pramene***

---

S409, 411, 412, 414, 415, 429, 447.

---





ЛЖИ́ И КЛА́ТВО-ПРЕ-СТУ́П-ЛЕ́ НИ́ -А.



СИ́ХЪ ѿ-КЪ-ДѢ́-НИ-Е, ПО́СТЪ ѿ-СЪТЪ,



И́С-ТИН-НЫ́Й И́ БЛ-ГО-ПРІ́-АТ-НЫ́Й.

**Стѣхъ:** Къ тебѣ возведѣхъ: **И́** повторѣмъ тоѣже.

**Μαρτυρικόν**

Μεγάλη \* τών Μαρτύρων 7 σου Χριστέ η δύναμις! 7  
εν μνήμασι γάρ κείνται, 7 καί πνεύματα διώκουσι, 8  
καί κατήργησαν 5 εχθρού τήν εξουσίαν, 7  
τή πίστει τής Τριάδος, 7  
αγωνισάμενοι 6 υπέρ τής ευσεβείας. 7

**Τάξε** **μῦσην.** **Θτίχη:** Поміладі насъ гдн:



Κέ- λι- α μῦσηνικъ τβο-ήχъ χρ̣-τ̣ε εή- λα:



βο-ρο-βѣхъ βο-ле-жѣ-ше дѣ- - χн про-гѣ- - нѣтъ,



ή οὔπραζα-νή-ша вρά- жї-ю влѣтъ, вѣ- - ро-ю τῷ- - чεε-κο-ю



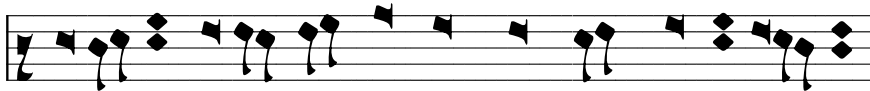
πο-δвѣг-ше- - са ω̣ бѣ- го-чѣε- - тї- - н.

Θεοτοκίον

Θεοτό- -κε, η προστασία 9  
πάντων τών δεομένων, 7  
εις σέ θαρρούμεν, 5 εις σέ καυχώμεθα, 6  
εν σοί πάσα η ελπίς ημών εστι, 11  
πρέσβευε τώ εκ σου τεχθέντι, 9 υπέρ αχρείων δούλων σου. 8

---

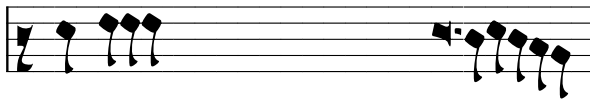
Γλῶσσα, ἡ νῆπις, Εἰσορροδία:



Ἐγὼ - ρό - δι - σε, προ - ε - γά - γελ - ε - γω ἐ - βέ - χω - μο - λά - ψι - χ - ε - ω,



να - τε - βέ - να - δέ - ε - μ - ε - ω, ἡ - το - βό - ю - χ - ε - λά - - - λι - μ - ε - ω,



ε - ζ - τε - βέ - ε - σε ὀ - ὑ - πο - βάν - ῃ - ε - ἡ - σι - ε - ζ - ε - τ - ῆ - ε - ς.



μο - - - λῆ - ἡ - ζ - τε - βέ - ρο - δὴ - β - σι - α - γο - - - ε - ω



ὦ - νε - πο - τ - ρέ - β - η - νι - χ - ε - ρα - - βέ - χ - ε - τ - ε - ο - ἡ - χ - ε - ς.

## Utireñ v utorok – stichovna

Во вторникъ пѣрвыя седмицы на ѡтреши

Απόστιχα τῶν Αἰώνων. Ἰδιόμελον Ἦχος γ'

Αρξώμεθα λαοί, 6 τῆς αμώμου Νηστείας, 7  
 ἥτις ἐστὶ 4 τῶν ψυχῶν σω-τη-ρία, 7  
 δουλεύσωμεν 4 τῷ Κυρί- -ω ἐν φόβῳ, 7  
 ε-λαίῳ ευποι-ας, 7 τὰς κεφαλὰς ἀλείψωμεν, 8  
 καὶ ὕδα-τι ἀγνείας 7 τὰ πρόσωπα νιψώμεθα, 8  
 μὴ βαττολογήσωμεν, 7 ἐν ταῖς προσευχαῖς, 5  
 ἀλλ' ὡς ἐδιδάχθημεν, 7 οὕτω βοήσωμεν, 6  
 Πάτερ ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς,  
 ἄφες ἡμῖν τὰ παραπτώματα ἡμῶν, ὡς φιλόνητος. (Δίς)

На вѣтѣхънѣ сѣмогласенъ днѣ, гласъ г':



На-чнѣмъ лѣ-дѣ-ε не-по-рѣч-нѣи по-рѣчъ,



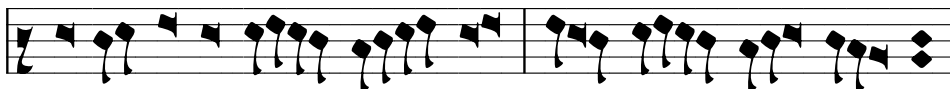
нѣ-же ѡсѣнѣ дѣ-шамъ еп-рѣ-нѣ-ε,



по-ра-бѣ-чѣ-нѣмъ го-по-дѣ-внѣ ѡ вѣрѣ-чѣмъ,



ѡ-лѣ-емъ бл-го-тво-рѣ-нѣ-ѡ гла-вѣи по-мѣ-жемъ,



нѣ во-дѣ-ю чнѣ-рѣ-чѣи лѣ-ца ѡ-мѣ-емъ,



НЕ МНО-ГО- ГЛА- - ГО-ЛЕМЪ ВЪ МО- - ЛІ-ТВАХЪ,



НО ІА-КЪ НА- ДЪ - ЧІ- - ХОМ-ЕА, ПІА-КЪ ВО- - - ЗО- - ПІ- - ІМЪ:



О- - - ЧЕ НАШЪ, І-ЖЕ С-СІ НА НЕ- - - БЕ- СЪХЪ, О-СТА- ВИ НАМЪ



ПРЕ-ГРѢ-ШЕ-НІ- ѿ НА- - ША, ІА-КЪ ЧЕ-ЛО- - ВѢ- - КО- - ЛЮ- - БЕЦЪ.

Стіхъ: **И**сполнхомѣа заѣтра:

**П**іки тоїже самогласенъ.

Μαρτυρικόν

Βασιλέων καὶ τυράννων, 8 τὸν φόβον ἀπώσαντο 7  
οἱ Χριστοῦ Στρατιῶται, 7  
καὶ εὐθαρσῶς καὶ ἀνδρείως 8 αὐτὸν ὠμολόγησαν, 7  
τὸν ἀπάντων Κύριον, 7 Θεὸν καὶ Βασιλέα ἡμῶν, 9  
καὶ πρεσβεύουσιν, 5 ὑπὲρ τῶν ψυχῶν ἡμῶν. 7

Ἑπίχθ: Ъ: Н̣ бѣди вѣтлостѣ: Тѣже мѣченичєхъ:



Ца-рѣи̣ ѡ̣ мѣ-чѣ- -те- -лєи̣ стрѣлѣхъ ѡ̣-рѣ- нѣ- -ша



хр̣-тѡ- -бы вѡ- -н- -ни,



ѡ̣ бѣгѡдерзновѣннѡ, ѡ̣ мѣ-же-ствен-нѡ то-гѡ ѡ̣-по- -вѣѣ- -да- -ша,



вѣѣхъ гѡ-по-да вѡ- га, ѡ̣ ца- -рѣи̣ нѣ- -ше- -го:



ѡ̣ мѡ-лѣт- ѣѡ ѡ̣ дѣ- -шѣхъ нѣ- -шєхъ.

Глѣва, ѡ̣ нынѣ, бѣгѡрѡдичєхъ: Кѣѣ, прєдєтѣлєстѡ вѣѣхъ молѣщєхъ тѣбѣ,







Ἰ\_κω κζ τε\_βῆ πρη\_ βῆ\_ γόχζ



ε̇\_ δῆ\_ - \_νο\_ - \_μδ\_ μνο\_γο\_μή\_ - λο\_ - - εῖτη\_ βο\_ - μδ.

**Μαρτυρικόν**

Ὡς φωστήρες ἐν κόσμῳ **λάμπετε**, 10  
καί μετὰ θάνατον ἅγιοι **Μάρτυρες**, 12  
τόν αγώνα τόν καλόν αγωνισάμενοι, 13  
**έχοντες παρρησίαν**, 7 **Χριστόν** ικετεύσατε, 7  
ελεθῆναι τὰς ψυχὰς ἡμῶν. 10

**Ἡ μῆνιχενζ:**



Ἰ\_κω βῆ\_τῆ\_λα β^2 μί\_ ρῆ\_ εἰ\_ ἄ\_ -ε\_ -τε,



ἦ πο εμέρ\_τη βῆ\_τί\_ η μδ\_ - -χε\_ - ηη\_ -\_цы,



πό\_βη\_гомз до\_ -\_брым^2 по\_двѣг\_ше\_ εῶ.



ἦ\_ μδ\_це дерз\_но\_вѣ\_ - нї\_ ε, χῆ\_τὰ οὔ\_ μο\_λή\_ τε,



πο\_μήлова\_τη\_ - εῶ δῆ\_ -\_шамз\_нᾶ\_ шымз.

**Θάβα, ἦ νῆιη, εῖροδνιενζ, γλάεζ τῶνζε:** **βῆ**, предст\_лительнице βῆ\_χζ мол\_ά\_ци\_εῶ τε\_βῆ...

Večiereň zo štvrtka na piatok – stichovna

Взгледъ вѣчера

Απόστιχα Ἦχος δ' (Δίς) /// На ртѣхѣиѣ сѧмоглѧсѣнѣ днѣ, дѣвѣдѣи, глѧсѣ дѣ:

Οι ποθούντες τού θείου Πάσχα μετασχείν, 12

ουκ απ' Αιγύπτου, 5  
τήν τής αμαρτίας ζύμην, 8

αλλ' εκ Σιών αρχομένου, 8  
εξάρωμεν τή με-τανοία, 9

περι-ζώσωμεν 5

τάς οσφύ-ας ημών, 6  
τή νεκρώσει τών ηδονών, 8

καλλωπίσωμεν 5 τούς πόδας, υποδήμα-σι κω- -λυτικοίς, 12  
εκ πάσης οδοῦ πονηράς, 8

και στηριχθώμεν, 5  
μή ζηλώσωμεν 5

τή βακτηρία τής πίστεως, 9

τούς εχθρούς, 3

τού δεσποτικού Σταυρού, 7

αλλ' ακολουθήσωμεν, 7

θεοποιούντες τήν γαστέρα, 9

τώ διά νηστείας η- -μίν, 8

τήν κατά τού διαβόλου 8 νίκην υποδείξαντι, 7  
Σωτήρι τών ψυχών ημών. 8



Же- ла- ю-це бо-жѣтвѣн-ныѣ пѧс-хѣ прѣ-ча-стѣ-тѣ-сѧ,



не ѡ ѣ- гып- та, но ѡзѣ- ѡ-на грѣ-дѣ- цѣ-ѣ,



грѣ-хѣ-ныѣ квѧсѣ ѡ- ѣ- - - мемѣ по- ка- ѣ- нѣ-емѣ:



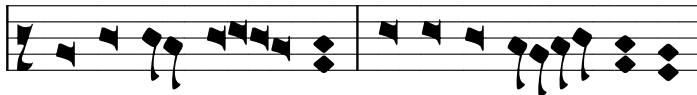
прѣ-по- ѣ- -шѣмѣ чрѣ-ла нѧ-ша ѡт-мерѣ-влѣ-нѣ-емѣ сѧсѣ- - - тѣѣ:



οὐ\_κρα\_ σὴμ<sup>2</sup> νό\_γι σα\_ποг\_μн, βο<sup>3</sup>бра\_нн\_тел<sup>6</sup>ны\_μн



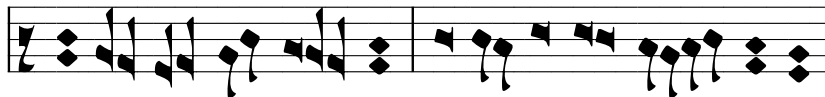
ὦ\_βρά\_κα\_ γω\_δέ\_λα\_ λδ\_ -κά\_ - βα\_ -γω,



ἢ οὐ\_τβερ\_δὴμ\_ -σα\_ πάλ\_λη\_це\_ ю\_ β'β\_ры:



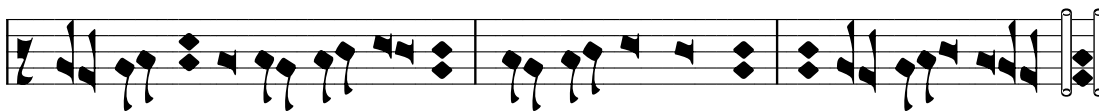
не\_рев\_нд\_ -нмз\_ βρα\_ γώμз



βλα\_δύч\_на\_ γω\_ κῆ\_ -τὰ\_ βο\_го\_тво\_ра\_ -це\_ χρέ\_βο,



но\_πο\_σιβ\_ - δδ\_ - нм<sup>2</sup>\_ πο\_ - στόμ<sup>2</sup> **νάμ<sup>2</sup>**,



на\_ δι\_ -ά\_ βο\_ла\_ πο\_β'β\_δδ\_ πο\_ κλ\_з'б\_ше\_мδ, σῖ\_εδ\_ δδш<sup>2</sup> на\_ -шнχ<sup>2</sup>.

Ο ενδοξαζόμενος, 7  
εν ταῖς μνείαις τῶν Μαρτύρων σου, 9 Χριστέ ο Θεός, 5  
υπ' αὐτῶν δυσωπούμενος, 8 κατάπεμψον ἡμῖν, 6 τό μέγα ξ-λε-ος. 6



Προ-ελλε-λά- ε-μυή β' πά-μα-περξ εἴτιχξ τβο-ήχξ χῥ- τε β'ξε,



ω ήήχξ οῦ-μο- λά- -εμβ, ηηξ-πο-ελη ήάμξ βέ-λί- .ηο μλίτβ.

Δόξα... Καί νύν... Σταυροθεοτοκίον, Ως γενναίον εν Μάρτυσιν  
Γλάβα, ή ήήηφ, κῥητοεῖροόδηγενξ, γλίεξ τῳήξε. Ποδόεηνξ: Γάκω δόβλα:

Εν Σταυρώ ως ε-ώρακε, 8  
καθηλούμενον Κύριε, 8  
η Αμνάς καί Μήτηρ σου, 7  
εξεπλήττετο. 5

Καί τί τό όραμα έλεγεν,  
Υιέ ποθεινότατε;  
ταύτά σοι ο απειθήξ,  
δήμος ανταποδίδωσιν,  
ο παράνομος,

ο πολλών σου θαυμάτων απολαύσας!  
Αλλά δόξα τή αρρήτω,  
συγκαταβάσει σου Δέσποτα.



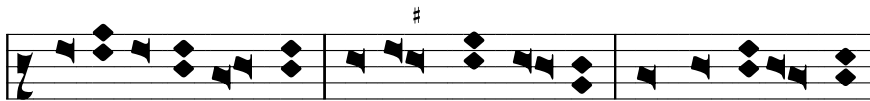
На крѣтѣ тѣ ѿ кѡ оузрѣ пригвождѣна гоподн,



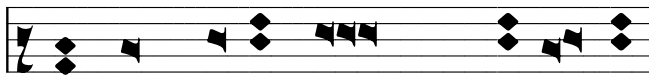
ѿгница ѿ мѣти твоѣ днелашеца.



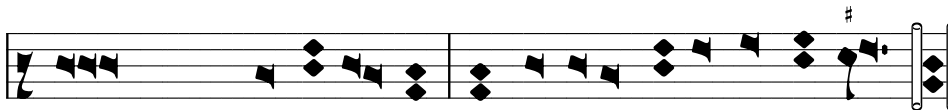
ѿ что видѣнїе, глаголаше, сы не возжелѣнне;



ѿѣ ти не вѣрнїи соборз воздаѣтъ беззаконнїи,



многхз твоихз чдѣез наслднвїица:



но слава незыченномѣ хождѣнїю твоемѣ владыко.